किसानों की उन्नति से होगा कृषि विकास

भरतपुर,(योगेन्द्र शर्मा): किसानों की उन्नति से ही कृषि का विकास संभव है। इसके लिए किसानों को समय पर उन्नत तकनीकों एवं किस्मों की जानकारी मिले और आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित होना आवश्यक है। यह उदगार मंगलवार को सरसों अनुसंधान निदेशालय के 22वें स्थापना दिवस समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के पूर्व सचिव एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिशद के पूर्व महानिदेशक डॉ. आरएस परोदा ने अपने सम्बोधन में व्यक्त किये। इस अवसर पर सरसों अनुसंधान निदेशालय के निदेशक डॉ. धीरज सिंह ने समारोह में उपस्थित अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने

सम्मेलन का दीप प्रज्जवलन कर उद्घाटन करते अतिथि।

सम्बोधन में कहा कि सरसों अनुसंधान निदेशालय की स्थापना का मिशन राई-सरसों की उत्पादकता बढाना, तेल की गुणवत्ता और किसानों की आजीविका में सुधार करना, तथा विभिन्न हितकारकों को ज्ञान आधारित संसाधन प्रबंधन प्रौद्योगिकी प्रदान करना है। इस अवसर पर मक्का अनुसंधान निदेशालय के पूर्व निदेशक डॉ. सांई दास ने किसानों को प्रशिक्षण देने के साथ-साथ बीज प्रदर्शन लगाने की सलाह दी।

पंजाब केसरी 21 अक्टूबर 2015

'किसानों की उन्नति से ही कृषि का विकास'

अनुसंधान निदेशालय के स्थापना दिवस समारोह में पत्रिका दिखाते अतिथि।

अमर उजाला ब्यूरो

- राष्ट्रीय अनुसंधान निदेशालय के स्थापना दिवस समारोह मनाया

भरतपुर। राष्ट्रीय सरसों अनुसंधान निदेशालय भरतपुर का 22 वां स्थापना दिवस समारोह मंगलवार को मनाया गया। इस दौरान कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

मुख्यअतिथि कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के पूर्व सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के पूर्व महानिदशक डा.आरएस परोदा ने कहा कि छोटे और सीमांत किसानों की आवश्यकता, उनके संसाधनों के अनुरूप तय की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कृषि तकनीकी विकास का अंतिम उपयोगकर्ता किसान है इसलिए अनुसंधान प्रक्रिया में किसानों की भागीदारी महत्वपूर्ण है। किसानों को समय पर उन्नत तकनीकों एवं किस्मों की जानकारी मिले और आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित हो इसके लिए अनुसंधान संस्थाओं, कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र, बीज निगम आदि विभिन्न विभागों में आपसी समन्वय और तालमेल बेहतर होना चाहिए। सरसों अनुसंधान निदेशालय के निदेशक डॉ. धीरज सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। मक्का अनुसंधान निदेशालय के पूर्व निदेशक डॉ. सांई दास शस्य विज्ञानी डॉ. एमएलजाट ने, कृषि विभाग के उपनिदेशक देशराज सिंह ने बदलती जलवायु के अनुरूप अनुसंधान करने और जैव नियंत्रकों एवं उर्वरकों की उपलब्धता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। संभागीय उपनिदेषक योगेश शर्मा ने, कृषि विज्ञान केंद्र, कुम्हेर के प्रभारी डॉ. अमर सिंह ने, मोपा के उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार अग्रवाल ने सरसों का समर्थन मूल्य बढ़ाने और खाद्य तेलों पर आयात शुल्क बढ़ाने का आग्रह किया।

अमर उजाला 21 अक्टूबर 2015

भरतपुर. कार्यक्रम में कर्मचारियों को पुरस्कृत करते अधिकारी।

सरसों अनुसंधान निदेशालय का स्थापना दिवस मनाया

भास्कर संवाददाता | भरतपुर

किसानों की आवश्यकता के अनुरूप ही अनुसंधानों की प्राथमिकता तय की जानी चाहिए तथा अनुसंधान प्रक्रिया में किसानों की भागीदारी जरूरी है। यह बात मंगलवार को सरसों अनुसंधान निदेशालय के 22 वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि कृषि अनुसंधान के पूर्व सचिव डा. आरएस परोदा ने व्यक्त की। उन्होंने प्रभावी शस्य क्रियाओं के विकास एवं उन्हें अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर सरसों अनुसंधान निदेशालय के निदेशक डा. धीरज सिंह ने कहा कि निदेशालय की स्थापना का मिशन राई-सरसों की उत्पादकता बढ़ाना, तेल की गुणवत्ता और किसानों की आजीविका में सुधार करना है। मक्का अनुसंधान निदेशालय के पूर्व निदेशक डा. सांई दास ने किसानों को प्रशिक्षण देने के साथ-साथ बीज प्रदर्शन करने की सलाह दी, जबकि शस्य विज्ञानी डा. एमएल जाट ने उन्नत शस्य प्रबंधन को अपनाने पर जोर दिया। कृषि विभाग के उपनिदेशक देशराज सिंह ने बदलती जलवायु के अनुरूप अनुसंधान करने, संभागीय उपनिदेशक (बागवानी) योगेश शर्मा ने उच्च गुणवत्ता के बीजों की उपलब्धता बढाने, कृषि विज्ञान केन्द्र कुम्हेर के प्रभारी डा. अमर सिंह ने किसान भागीदारी से उन्नत किस्मों के बीज उत्पादन करने, मोपा के उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार अग्रवाल ने सरसों का समर्थन मूल्य बढाने, प्रगतिशील किसान हरभान सिंह ने किसानों की समस्याओं के तत्काल समाधान करने पर जोर दिया। इस अवसर पर 5 पत्र व पत्रिकाओं "वार्षिक प्रतिवेदन 2014-15, "सरसों न्यूज", सिद्धार्थ सरसों संदेश, "प्रमुख, जंगली बेसिक प्रजातियां एवं उनकी उपयोगिता" एवं डीआर एमआर प्रोफाइल का विमोचन भी किया गया।

दैनिक भास्कर 21 अक्टूबर 2015

'किसानों की उन्नति से ही कृषि का विकास'

सरसों अनुसंधान निदेशालय का स्थापना दिवस

भरतपुर @ पत्रिका. सरसों अनुसंधान निदेशलय का स्थापना दिवस भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद क पूर्व महानिदेशक डॉ. आरएस परोदा के मुख्य आतिथ्य में मनाया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा के कृषि तकनीकी विकास का अंतिम उपयोगकर्ता किसान है। अनुसंधान प्रक्रिया में किसानों की भागीदारी महत्वपूर्ण है।

किसानो की उन्नति से ही कृषि का विकास होगा। उन्होंने कहा कि कृषि उद्योगों को भी आगे आकर अनुसंधानो के लिए सहयोग करना चाहिए। सरसों अनुसंधान निदेशालय के निदेशक डॉ. धीरज सिंह ने कहा कि निदेशालय की स्थापना का मिशन राई-सरसों की उत्पादकता बढ़ाना, तेल की गुणवत्ता और किसानों की आजीविका में सुधार करना तथा विभिन्न हितकारकों को ज्ञान आधारित संसाधन प्रबंधन प्रौद्योगिकी प्रदान करना है। मक्का अनुसंधान निदेशालय के पूर्व निदेशक डॉ. सांईदास ने किसानों को प्रशिक्षण देने के साथ-साथ बीज प्रदर्शन लगाने की सलाह दी। डॉ. वरिष्ठ, डॉ. एम.एल.जाट ने भी विचार व्यक्त किए। कृषि विभाग के उपनिदेशक देशराज सिंह ने बदलती जलवायु के अनुरूप अनुसंधान करने और जैव नियत्रंकों एवं उर्वरकों की उपलब्धता बढ़ाने पर जोर दिया। संभागीय उपनिदेशक (बागवानी) योगेश शर्मा ने उच्च गुणवत्ता के बीजों की उपलब्धता बढ़ाने की बात कही। कृषि विज्ञान केन्द्र कुम्हेर के प्रभारी डॉ. अमर सिंह ने किसान भागीदारी से उन्नत किस्मों के बीज उत्पादन करने की सलाह दी।इस अवसर पर संस्थान के विकास में योगदान देने के लिए डॉ. विनोद कुमार, डॉ. पंकज शर्मा, डॉ. अशोक कुमार शर्मा को पुरस्कृत किया गया।

भरतपुर. कार्यक्रम में अतिथि को स्मृति चिह्न प्रदान करते निदेशक।

राजस्थान पत्रिका 21 अक्टूबर 2015